विशेष कविता (Special Hindi Poem)

Source: www.brahma-kumaris.com (Main Website) | www.bkgoogle.com (BK Google)

- **८४ का चक्र लगाओ**

84 जन्मों में पक्का किया चक्र लगाने का संस्कार
संगमयुग में भी बच्चों चक्र लगाते रहना बारम्बार

कभी जाना वतन में कभी अपनाना दुनिया साकार
देवलोक की सैर पर जाना करके तुम सोलह श्रंगार

बनकर मन्दिर की मूरत नैया कर देना सबकी पार
श्रेष्ठ ब्राह्मण बनकर तुम करते जाना खुद का सुधार

उड़कर जाना परमधाम में बनकर बिंदी निराकार
पावन बनने की वेला कल्प में आती एक ही बार
स्व परिवर्तन करने में तुम मत करना सोच विचार

माया लेकर ही आएगी क्षणिक खुशियों के उपहार
बाप की याद में रहना मत करना उनको स्वीकार
अपना स्वदर्शन चक्र चलाता रहता है जो बारम्बार

नरक से स्वर्ग में बदल जाता है उसके लिए संसार

* ॐ शांति ।

by: BK Mukesh bhai - bkmukesh1973@gmail.com

For More Poems, visit – www.bkofficial.com/poems-hindi

OR scan this QR code with your phone camera ->